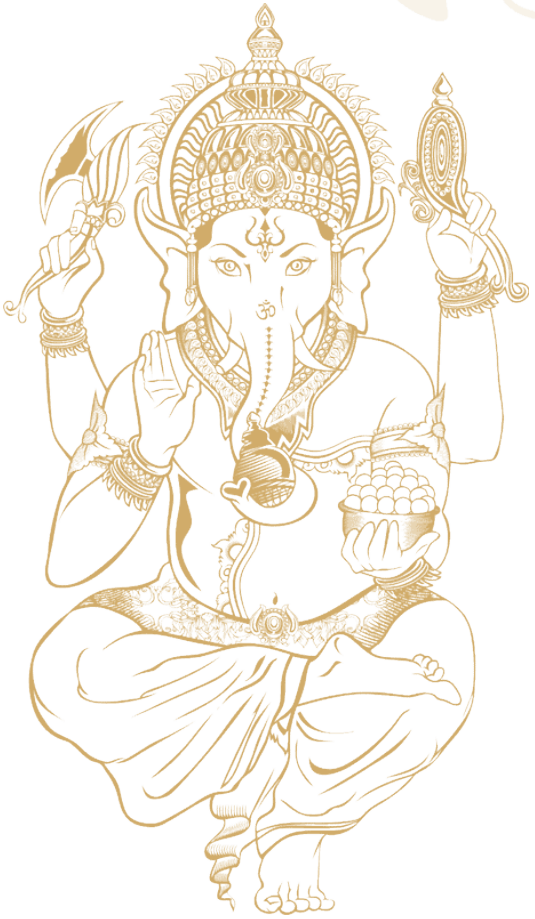

Mr.

19 Feb 2004

09:22 PM

Sagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121725603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/02/2004**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:22:00 घंटे**
इष्ट	36:01:41 घटी
स्थान	**Sagar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:38:00 उत्तर
रेखांश	75:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:54:40 घंटे
वेलान्तर	-00:13:56 घंटे
साम्पातिक काल	06:50:27 घंटे
सूर्योदय	06:57:19 घंटे
सूर्यास्त	18:25:26 घंटे
दिनमान	11:28:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:25:33 कुम्भ
लग्न के अंश	17:42:50 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	परिघ
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	17:42:50	331:53:39	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	06:25:33	01:00:32	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	27:01:34	14:02:48	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
मंगल			मेष	16:26:33	00:38:23	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	मक	25:56:16	01:40:50	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	21:47:08	00:07:20	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	18:56:16	01:09:28	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	12:38:35	00:01:53	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	20:21:40	00:12:19	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	20:21:40	00:12:19	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:44:00	00:03:27	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:36:17	00:02:12	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	28:00:56	00:01:07	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मिथु	17:41:16	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:43

लग्न-चलित

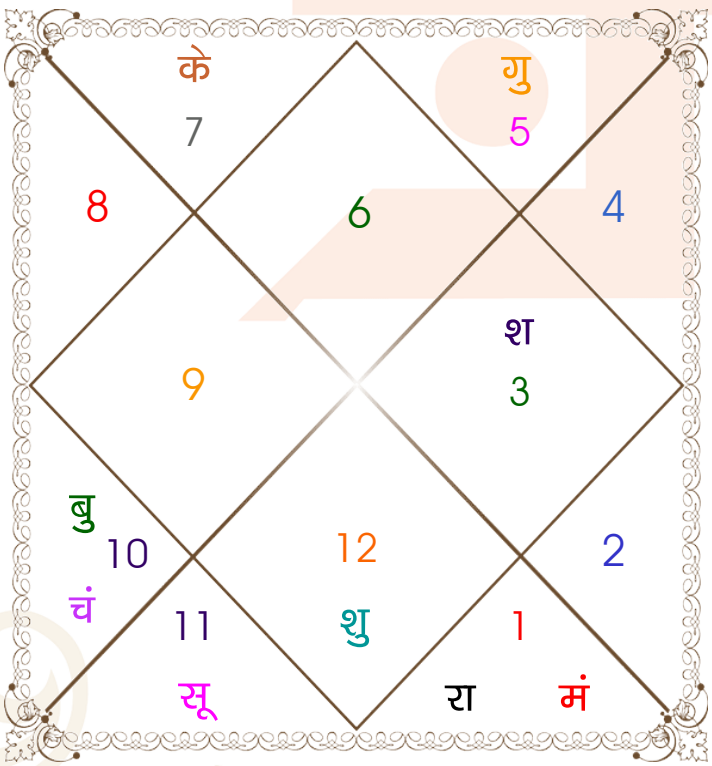

चन्द्र कुंडली

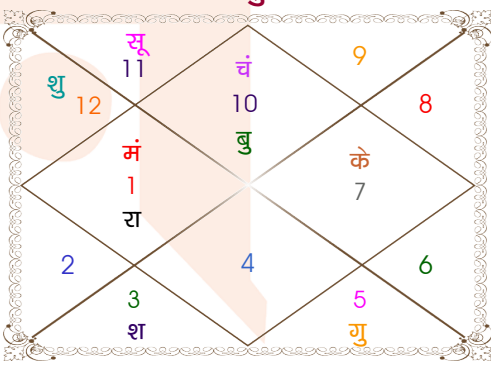

नवमांश कुंडली

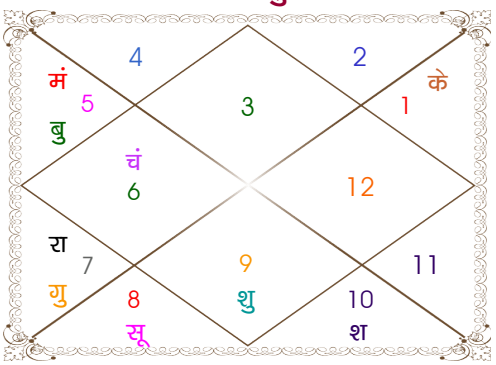

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 0 मास 22 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/02/2004		13/03/2009		14/03/2027		14/03/2043		13/03/2062	
13/03/2009		14/03/2027		14/03/2043		13/03/2062		14/03/2079	
	00/00/0000	राहु	24/11/2011	गुरु	01/05/2029	शनि	16/03/2046	बुध	09/08/2064
	19/02/2004	गुरु	19/04/2014	शनि	12/11/2031	बुध	23/11/2048	केतु	06/08/2065
गुरु	03/08/2004	शनि	23/02/2017	बुध	17/02/2034	केतु	02/01/2050	शुक्र	06/06/2068
शनि	12/09/2005	बुध	12/09/2019	केतु	24/01/2035	शुक्र	04/03/2053	सूर्य	12/04/2069
बुध	09/09/2006	केतु	30/09/2020	शुक्र	24/09/2037	सूर्य	14/02/2054	चंद्र	12/09/2070
केतु	05/02/2007	शुक्र	30/09/2023	सूर्य	13/07/2038	चंद्र	15/09/2055	मंगल	09/09/2071
शुक्र	06/04/2008	सूर्य	24/08/2024	चंद्र	12/11/2039	मंगल	24/10/2056	राहु	28/03/2074
सूर्य	12/08/2008	चंद्र	23/02/2026	मंगल	18/10/2040	राहु	31/08/2059	गुरु	03/07/2076
चंद्र	13/03/2009	मंगल	14/03/2027	राहु	14/03/2043	गुरु	13/03/2062	शनि	14/03/2079

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/03/2079		13/03/2086		14/03/2106		14/03/2112		14/03/2122	
13/03/2086		14/03/2106		14/03/2112		14/03/2122		00/00/0000	
केतु	10/08/2079	शुक्र	13/07/2089	सूर्य	02/07/2106	चंद्र	12/01/2113	मंगल	10/08/2122
शुक्र	09/10/2080	सूर्य	13/07/2090	चंद्र	31/12/2106	मंगल	13/08/2113	राहु	29/08/2123
सूर्य	14/02/2081	चंद्र	13/03/2092	मंगल	08/05/2107	राहु	12/02/2115	गुरु	20/02/2124
चंद्र	15/09/2081	मंगल	13/05/2093	राहु	01/04/2108	गुरु	13/06/2116		00/00/0000
मंगल	11/02/2082	राहु	13/05/2096	गुरु	18/01/2109	शनि	12/01/2118		00/00/0000
राहु	01/03/2083	गुरु	12/01/2099	शनि	31/12/2109	बुध	14/06/2119		00/00/0000
गुरु	05/02/2084	शनि	14/03/2102	बुध	07/11/2110	केतु	13/01/2120		00/00/0000
शनि	16/03/2085	बुध	12/01/2105	केतु	15/03/2111	शुक्र	13/09/2121		00/00/0000
बुध	13/03/2086	केतु	14/03/2106	शुक्र	14/03/2112	सूर्य	14/03/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 0 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।